भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1308
जिसका उत्तर बृहस्पतिवार, 10 दिसम्बर, 2015 को दिया जाना है

वैश्विक आर्थिक मंदी का प्रभाव

1308. श्री के० सी० त्यागी:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारी उद्योग और लोक उद्यम को वर्तमान वैश्विक आर्थिक मंदी के प्रभाव से मुक्त रखने के लिए कदम उठाए हैं/उठाने का विचार रखती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या वैश्विक आर्थिक मंदी को ध्यान में रखते हुए लोक उद्यमों में कामगारों की संख्या घटाने के लिए निर्णय ले लिया गया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क) और (ख): जी, हां। सरकार ने भारत में विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 25 मुख्य क्षेत्रों के साथ सितम्बर, 2014 में "मेक इन इंडिया" पहल आरंभ की है। व्यापार स्थापन-काल के विभिन्न चरणों में निवेशकों की सहायता, दिशा-निर्देश, हैंड-होल्ड तथा सुविधा के लिए "इन्वेस्ट इंडिया" में एक राज्य स्तर तक सहायता के साथ एक निवेशक सुविधा केन्द्र बनाया गया है। इसके अतिरिक्त वित्तीय समावेशन सहित, स्किल इंडिया, डिजीटल इंडिया, औद्योगिक कॉरीडोर्स और स्मार्ट सिटीज सहित संयुक्त विकास जैसे विभिन्न कार्यक्रमों से भारत में विकास और रोजगार को बढ़ावा मिलने की आशा है। इन उपायों/पहलों से केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को भी लाभ होगा। भारी उद्योग विभाग के अधीन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के चुनिंदा उद्यमों को उनकी क्षमताओं का पुनर्गठन एवं सुदृढ़ीकरण करने के लिए तथा भविष्य के लिए यथोचित व्यापार आयोजनाएं बनाने के लिए "मेक इन इंडिया" पहल में शामिल किया गया है।

****